No. of Printed Pages : 6

BECC-133

BACHELOR OF ARTS (GENERAL)
(BAG)
Term-End Examination
December, 2022

BECC-133 : PRINCIPLES OF MACRO-ECONOMICS–I

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt questions from all the Sections as per instructions given in each Section.*

Section—A

Note : *Attempt any **two** questions from this Section in about **500** words each.* 2×20=40

1. Explain the concept of investment multiplier. What is its importance in the Keynesian model ? What are its limitations ?

2. What are the objectives of monetary policy ? Explain the importance of monetary policy for an economy.

3. In the Keynesian framework, explain how equilibrium output is determined in an open economy.

4. Bring out the salient features of the classical approach to macroeconomics.

Section—B

Note : *Attempt any* ***four*** *questions from this Section in about* ***250*** *words each.* 4×12=48

5. Explain, how a change in tax rate affects the equilibrium level of output.

6. Distinguish between balance of payments and balance of trade. Explain why balance of payments always balance.

7. Explain the concept of money multiplier.

8. Discuss the Keynesian theory of demand for money.

9. What is meant by value-added ? What precautions are to be taken while calculating national income by the value-added method ?

10. Bring out the major differences between classical approach and Keynesian approach to macroeconomics.

11. Explain why in the classical approach, the aggregate supply curve is vertical.

Section—C

12. Write short notes on any *two* of the following : 2×6=12

    (a) Marginal propensity to consume

    (b) Balanced budget multiplier

    (c) Monetary policy in India

    (d) Problem of double counting

BECC-133

कला स्नातक (सामान्य)

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

बी.ई.सी.सी.-133 : समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त–I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रत्येक भाग में दिये गये निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***दो*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***500*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।* 2×20=40

1. निवेश गुणक की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। केन्जियन मॉडल में इसका क्या महत्व है ? इसकी क्या सीमाएँ हैं ?

2. मौद्रिक नीति के क्या उद्देश्य हैं ? एक अर्थव्यवस्था के लिए मौद्रिक नीति के महत्व को समझाइए।

3. केन्जियन ढाँचे में समझाइए कि एक खुली अर्थव्यवस्था में सन्तुलन उत्पादन का निर्धारण कैसे होता है।

4. समष्टि अर्थशास्त्र के क्लासिकल (परंपरागत) दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

भाग—ख

नोट : *इस भाग से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर लगभग* ***250*** *शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए।* 4×12=48

5. समझाइए कि किस प्रकार कर दर में परिवर्तन उत्पादन के सन्तुलन स्तर को प्रभावित करता है।

6. भुगतान शेष और व्यापार शेष में अन्तर स्पष्ट कीजिए। समझाइए कि भुगतान शेष हमेशा सन्तुलित क्यों रहता है।

7. मुद्रा गुणक की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

8. मुद्रा की माँग के केन्जियन सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।

9. मूल्यवृद्धि से क्या अभिप्राय है ? मूल्यवृद्धि विधि से राष्ट्रीय आय की गणना करते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?

10. समष्टि अर्थशास्त्र के क्लासिकल (परंपरागत) दृष्टिकोण और केन्जियन दृष्टिकोण में मुख्य अन्तरों पर प्रकाश डालिए।

11. समझाइए कि क्लासिकल (परंपरागत) दृष्टिकोण में समग्र आपूर्ति वक्र ऊर्ध्वाधर क्यों होता है।

भाग—ग

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2×6=12

(क) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति

(ख) सन्तुलित बजट गुणक

(ग) भारत में मौद्रिक नीति

(घ) दोहरी गणना की समस्या